पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

सत्यमेव जयते

वाणिज्य एवं उद्योग,
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक
वितरण तथा वस्त्र मंत्री, भारत सरकार
MINISTER OF COMMERCE & INDUSTRY,
CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION AND
TEXTILES, GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

भाषा किसी देश की सभ्यता, संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज़ की परिचायक होती है। भाषा परस्पर संवाद के माध्यम से एक दूसरे को जोड़े रखने का काम करती है। हिंदी में ये सारी खूबियां होने के कारण स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देश के तमाम नागरिकों को एकजुट करने, उनके साथ रणनीतिक संवाद स्थापित करने के लिए देश की लोकप्रिय भाषा हिंदी को माध्यम बनाकर आज़ादी हासिल की गई थी। देश में बड़े पैमाने पर हिंदी की स्वीकार्यता को देखते हुए हमारे संविधान में 14 सितंबर के ही दिन हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था।

माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है और आज़ादी के अमृतकाल में एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों से हिंदी में संबोधन करने से देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हिंदी का मान-सम्मान बढ़ा है।

हिंदी की सरलता और सहजता के कारण अनेक प्रसिद्ध विद्वानों ने हिन्दी को स्वीकार किया है। सरकारी काम-काज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना हमारा दायित्व है ताकि शासन और जनता के बीच बेहतर समझ पैदा हो सके। "अपनी भाषा में काम, देश की प्रगति में योगदान" के मूल मंत्र को ध्यान में रखते हुए कार्यालयों में हमें हिंदी को प्रोत्साहित करना चाहिए।

हिंदी दिवस के अवसर पर मैं वस्त्र मंत्रालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं देता हूँ और उन्हें अधिक से अधिक सरकारी काम-काज हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

पीयूष गोयल

पीयूष गोयल

दर्शना जरदोश
DARSHANA JARDOSH

रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
RAILWAYS AND TEXTILES
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

संदेश

हमारा देश विभिन्न भाषाओं एवं बोलियों वाला देश है जिनमें से हिंदी सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली एक लोकप्रिय भाषा है। हमारे देश के स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसीलिए देश की आज़ादी के बाद जब देश का कामकाज चलाने के लिए एक राजभाषा की आवश्यकता महसूस हुई तो हिंदी का नाम सर्वोपरि था। इसी के मद्देनजर संविधान निर्माताओं द्वारा 14 सितंबर,1949 को हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था। तभी से प्रत्येक वर्ष **14 सितंबर को हिंदी दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

वस्त्र मंत्रालय का कामकाज निःसन्देह वस्त्र क्षेत्र से संबंधित है और वस्त्र क्षेत्र का दायरा बहुत व्यापक है। इस क्षेत्र में देश के छोटे तथा बड़े हर वर्ग के लोग जुड़े हैं जिनमें से अधिकांश आम नागरिक हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी वस्त्र क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान है। माननीय प्रधानमंत्री जी के **मेक इन इंडिया** पहल के कार्यान्वयन के फलस्वरूप वस्त्र आइटमों के उत्पादन, उनकी गुणवत्ता तथा निर्यात में वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और इस क्षेत्र को बड़ा आकार देने के लिए सरकार द्वारा बहुत सी योजनाएं जैसे- एसआईटीपी, जूट-आई केयर, एनटीटीएम, एनएचडीपी, सीएचसीडीएस, एनएचडीपी, आरएमएमएस,एटीयूएफएस क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनमें हाल में मंजूर की गई **पीएम मित्र योजना प्रमुख** है। इन योजनाओं का व्यापक प्रचार करने, इनके लाभों के बारे में जागरूकता लाने और इनका लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए हमें सरकारी कामकाज देश की सबसे लोकप्रिय भाषा हिंदी में करना होगा।

हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों में अपनी सुविधानुसार हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा और हिंदी माह आदि का आयोजन किया जाएगा। कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस दौरान हिंदी की बहुत सी प्रतियोगिताएं/संगोष्ठी आदि आयोजित की जाएंगी। आप सबसे मेरी अपेक्षा है कि इन आयोजनों में अपनी प्रतिभागिता से प्रोत्साहित होकर अपना सरकारी कामकाज अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में करें।

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

दर्शना जरदोश.
(दर्शना जरदोश)

14 सितंबर, 2023

Ministry of Railways : Room No. 242, Rail Bhawan, New Delhi-110001, Phone : 011-23388190, 23382490, Fax : 011-23383668, Email : mos-railways@gov.in
Ministry of Textiles : Room No. 129, D Wing, Udyog Bhawan, New Delhi-110011, Phone : 011-23063704, 23063779 Fax : 011-23061575, E-mail : mos-textiles@gov.in
Constituency Office : 13/8-18, Surat Lok Sabha Jansampark Karyalay, Near New Court, Athwalines, Surat-395007 (Gujarat), Phone : 0261-2664488

रचना शाह, भा.प्र.से.
सचिव
Rachna Shah, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI - 110 011

संदेश

भाषा समाज और देश के लिए न केवल संवाद का माध्यम होती है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक दृष्टिकोण से भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वैश्वीकरण के दौर में हिंदी ने वैश्विक परिदृश्य में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बनाया है। 14 सितम्बर, 1949 को भारतीय संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया था और इसकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हर वर्ष **हिंदी दिवस** मनाया जाता है।

वर्तमान में जब हम आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' की बात करते हैं तो इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सबसे पहले हमें भाषायी आधार पर आत्मनिर्भर बनना होगा। वस्त्र क्षेत्र बहुत ही व्यापक क्षेत्र है। इस क्षेत्र को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने तथा इस क्षेत्र से जुड़े कर्मियों तथा उद्योग जगत को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही हैं। जन मानस को सरकार की इन विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का समुचित ज्ञान और लाभ केवल सबकी भाषा अर्थात हिंदी के माध्यम से ही प्रदान कर सकते हैं। अत: हम सबका कर्तव्य है कि कार्यालय में अधिकाधिक काम राजभाषा हिंदी में करें।

हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों में आयोजित हिंदी पखवाड़ा/हिंदी माह के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए कार्यालयीन कार्य से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का **14 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2023** के दौरान आयोजन किया जाएगा। मैं आप सभी से आग्रह करती हूँ कि आप इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लें तथा राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन करते हुए अधिकाधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करके अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें और देश का गौरव बढ़ाएं।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

रचना शाह

14 सितंबर, 2023

(रचना शाह)

Tel. : +91-11-23061769, +91-11-23063644, E-mail : secy-textiles@nic.in